

प्रेषक,

अतर सिंह,
संयुक्त सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,
चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

चिकित्सा अनुभाग-5

देहरादून,

दिनांक: 17 अगस्त, 2015

विषय: जनपद टिहरी गढ़वाल के अन्तर्गत लम्बगांव, प्रतापनगर में 30 शैय्यायुक्त चिकित्सालय की स्थापना हेतु प्रारम्भिक आगणन की अनमोदित लागत की वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-7प/1/8/2014/55 दिनांक 02 जनवरी, 2015 एवं शासनादेश संख्या-606/XXVIII-5-2015-01(घो0)/2014 दिनांक 24 मार्च, 2015 के कम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद टिहरी गढ़वाल के अन्तर्गत प्रथम फेज हेतु 30 शैय्यायुक्त चिकित्सालय (ड्रामा सेण्टर) की स्थापना हेतु प्रस्तुत प्रारम्भिक आगणन की अनुमोदित लागत ₹8.97 लाख (रुपये आठ लाख सत्तानवे हजार मात्र) पर वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर आपके निवर्तन पर रखते हुए निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय किये जाने की महामहिम श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. स्वीकृत की जा रही धनराशि परियोजना प्रबन्धक, उ0प्र0 राजकीय निर्माण निगम, टिहरी इकाई को उपलब्ध कराई जायेगी।
2. कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र पर सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
3. कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य सम्पादित किये जायें।
4. कार्य करने से पूर्व उच्चाधिकारियों एवं भूगर्ववेत्ता (कार्य की आवश्यकतानुसार) से कार्यस्थल का भली-भांति निरीक्षण अवश्य करा लिया जाए तथा निरीक्षण के पश्चात दिये गये निर्देशों के अनुरूप ही कार्य कराया जाये।
5. यदि विभिन्न मदों हेतु स्वीकृत धनराशि अवशेष रहती है, तो उक्त धनराशि द्वितीय चरण के आगणन में समायोजित की जाय।
6. प्रथम चरण के कार्य हेतु यदि किसी अन्य समरूप कार्य हेतु पूर्व में कराई गई डिजायन/मानक पूर्णरूप से अथवा आंशिक रूप से विषयगत कार्य हेतु प्रयोग की जा सकती है या वर्तमान कार्य में एक भाग की डिजायन/मानक पूर्ण रूप से अथवा आंशिक रूप से विषयगत कार्य हेतु प्रयोग की जा सकती है, तो मितव्ययता की दृष्टि को ध्यान में रखते हुए तदनुसार कार्यवाही की जाय।
7. द्वितीय चरण के विस्तृत आगणन को प्रेषित करते समय यह प्रमाण-पत्र अनिवार्य रूप से संलग्न किया जाये कि "प्रथम चरण के प्रस्तावित कार्य पूर्ण हो चुके हैं"।

12

(2)

8. मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के आदेश संख्या-2047/XIV-219(2006) दिनांक 30.05.2006 द्वारा निर्गत आदेशों के क्रम में कार्य करते समय अथवा आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन किया जाना सुनिश्चित किया जाय तथा कार्यदायी संस्था के साथ नियमानुसार एमओयू हस्ताक्षरित किया जाय। द्वितीय चरण के निर्माणात्मक कार्यों हेतु विस्तृत आगणन के गठन एवं अन्य सम्बन्धित कार्यों के सम्बन्ध में वित्त विभाग के शासनादेश दिनांक 19.10.2010 के आलोक में समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।
9. उक्त के संबंध में होने वाला व्यय आय-व्ययक वर्ष 2015-16 की अनुदान संख्या-12 के लेखाशीर्षक 4210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य पर पूँजीगत परिव्यय, 01-शहरी स्वास्थ्य सेवाएं 110-अस्पताल तथा औषधालय, 18-राष्ट्रीय राजमार्गों पर ट्रामा सेण्टर का निर्माण-00-आयोजनागत, 24-वृहत निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के अ०शा० संख्या-151(पी)/XXVII(3)/2015-16 दिनांक 14 अगस्त, 2015 में प्राप्त उनकी सहमति के क्रम में निर्गत किया जा रहा है।
संलग्न: अलॉटमेंट आई०डी० संख्या- S1508120069 की प्रति।

भवदीय
(अतर सिंह)
संयुक्त सचिव।

संख्या:-1705(1)/XXVIII-5-2015-01(घो०)/2014 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, माजरा, देहरादून।
2. अपर सचिव, मुख्यमंत्री (घोषणा अनुभाग), उत्तराखण्ड शासन।
3. निदेशक, कोषागार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. स्टॉफ ऑफिसर, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
5. कमिश्नर, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी गढ़वाल।
6. जिलाधिकारी, टिहरी गढ़वाल।
7. मुख्य चिकित्साधिकारी, टिहरी गढ़वाल।
8. मुख्य कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, देहरादून/टिहरी गढ़वाल।
9. परियोजना प्रबन्धक/इकाई प्रभारी, परियोजना प्रबन्धक, उ०प्र० राजकीय निर्माण निगम, नई टिहरी इकाई।
10. बजट राजकोषीय, नियोजन व संसाधन निदेशालय, सचिवालय, देहरादून।
11. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनु०-3/नियोजन विभाग/एन०आई०सी०।
12. मीडिया सेंटर, उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
13. गार्ड फाईल।

आज्ञा से
(शिवेन्द्र नारायण सिंह)
अनु सचिव।